कथा क्रम

अक्टूबर–दिसम्बर 2021

मूल्य – ₹ 40

कथासाहित्य, कला एवं संस्कृति की त्रैमासिकी

आनन्द सागर स्मृति कथाक्रम सम्मान–2021

सम्मानित कथाकार–पंकज मित्र

जन्म – 15 जनवरी 1965 को रांची झारखंड में
शिक्षा – एम. ए. अंग्रेजी साहित्य, पीएच. डी, पी. जी. डिप्लोमा इन टेलीविजन प्रोडक्शन

प्रकाशित कृतियां–
कहानी संग्रह– 1– क्विज मास्टर तथा अन्य कहानियां
2– हुडुकलुल्लु
3– जिद्दी रेडियो
4– बाशिंदा @ तीसरी दुनिया

अंग्रेजी में दलित साहित्य पर आलोचनात्मक पुस्तक 'The Changing Faces of the Oppressed Castes in Indian English Novels'

अंग्रेजी व हिंदी की पत्रिकाओं में आलोचनात्मक लेख प्रकाशित।

अन्य– रंगमंच से गहरा जुड़ाव, कई नाटकों का लेखन, मंचन एवं निर्देशन। इप्टा रांची के वर्तमान अध्यक्ष। फिल्म माध्यम में भी रुचि। प्रसिद्ध निर्देशक प्रकाश झा की फिल्म 'कथा माधोपुर की' में अभिनय।

पुरस्कार / सम्मान–
- इंडिया टुडे साहित्य वार्षिकी 1997 का युवा लेखन सम्मान।
- भारतीय भाषा परिषद, कोलकता का युवा पुरस्कार 2005।
- इसरायल कथा सम्मान 2006
- प्रथम मीरा स्मृति पुरस्कार 2009
- राधाकृष्ण पुरस्कार 2016
- वनमाली कथा सम्मान 2017
- रेवांत मुक्तिबोध सम्मान 2018
- बनारसी प्रसाद भोजपुरी सम्मान
- जयशंकर प्रसाद सम्मान
- आनंद सागर स्मृति कथाक्रम सम्मान 2021

सम्प्रति – आकाशवाणी जमशेदपुर में कार्यक्रम अधिशासी
संपर्क – 102, हरिओम शांति अपार्टमेंट, साकेत विहार, हरमू, रांची 834002
दूरभाष – 91–9470956032
email - pankajmitro@gmail.com

स्वर्गीय श्री आनन्द सागर

उत्तर प्रदेश के मेरठ नगर में 10 नवम्बर, 1930 को जन्मे श्री आनन्द सागर विलक्षण प्रतिभा के धनी थे। मेधावी होने के साथ-साथ अल्पायु में ही वह कथालेखन से जुड़ गये। मात्र 14-15 वर्ष की आयु में ही उनकी कुछ कहानियां स्थानीय पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित हुयीं। तब से उनके द्वारा निरन्तर लेखन किया गया। इस बीच अपने पिता के असामयिक निधन के बाद वह नौकरी की तलाश में मेरठ से रामपुर आ गये। वहीं कुछ समय पश्चात् 22 वर्ष की आयु में उन्होंने पहला उपन्यास लिखा।

हिन्दी में इतिहास को कथा में रूपांतरित करके विराट सत्य प्रस्तुत करने की परम्परा रही है। वृंदावनलाल वर्मा, आचार्य चतुरसेन, अमृतलाल नागर, नरेन्द्र कोहली का लेखन इसका साक्ष्य है। श्री सागर ने अपनी रचनात्मकता को 'इतिहास के आख्यान' की इसी धारा से जोड़ा था। उन्होंने इतिहास के समय और सच्चाई को अभूतपूर्व कलात्मक कौशल से वर्तमान की संवेदना में समाहित किया है। उनका पहला ऐतिहासिक उपन्यास 'वाजिद अली शाह' नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली से) 1960 में प्रकाशित हुआ जो काफी चर्चित रहा। बाद में अन्य ऐतिहासिक उपन्यास 'बिठूर के नाना' भारतीय ग्रंथ निकेतन, नई दिल्ली), औरत, सितारा, इन्द्र धनुष व एकलिंग का दीवान 1962 से 1968 के मध्य प्रकाशित हुये।

श्री आनन्द सागर ने कई कहानियां व लेख भी लिखे जो विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित हुये। उनकी कई कहानियां पुरस्कृत भी हुईं। उनकी ऐतिहासिक कहानी 'अजीज़न बी' विशेष रूप से चर्चित व कई भाषाओं में अनुदित हुई।

मात्र अड़तीस वर्ष की आयु में दिल का दौरा पड़ने से 25 फरवरी, 1968 को उनका निधन हो गया।

ISSN-2231-2161

कथा क्रम

वर्ष : 24 अंक : 90

dFkk lkfgR;] dyk ,oa laLÑfr dh =Sekfld

अक्टूबर-दिसम्बर 2021

¼dUnh; fgUnh laLFkku vkxjk ls lg;kx ikIr½

कहानियां

10	**दीपक शर्मा**	: भाईबन्द
13	**वन्दना गुप्ता**	: और हरसिंगार सूख गया
18	**सपना सिंह**	: अज़ियत, मुसीबत, मलामत बलाएं, तिरे इश्क में हमने क्या-क्या न देखा
23	**दिव्या विजय**	: अंबर डंबर
31	**प्रतिभा कटियार**	: थैंक यू
36	**ज्योत्सना सिंह**	: आख़िरी फैसला
68	**ज्ञान चंद बागड़ी**	: बातन के ठाठ
74	**अभिषेक कुमार पाण्डे**	: हैंडपम्प
81	**रविशंकर सिंह**	: तलाक
84	**हारूकी मुराकामी**	: आइना
	अनुवादक-सुशांत सुप्रिय	

लघुकथाएं

17	**पूनम पाण्डे**	: रोटी
49	**सीताराम शर्मा 'चेतन'**	: हिस्सा
59	**मीना गुप्ता**	: गूंगी

कथा-नेपथ्य

04	**मधुरेश**	: इस सोच विहीन समय में एक बेचैन आत्मा का हस्तक्षेप

लेख

42	**विनोद शाही**	: यह स्त्रीकाल है।
50	**कंवल भारती**	: नन्द दुलारे वाजपेयी
60	**सुरेश कुमार**	: दलित कहानी और जातिवाद के बीहड़ इलाके

कविताएं

88	**डॉ. सम्राट सुधा**	: और एक तुम, प्यास देखता हूं...
89	**डॉ. कविता विकास**	: जीवट, स्त्री, खुशी, मुर्गे की बांग
89	**महेश कुमार केशरी**	: क्षरण
90	**प्रणव प्रियदर्शी**	: देश प्रेम
91	**सुमन शेखर**	: कलमकार, वक्त का पलड़ा

कथा-शोध

92	**पीताम्बरी वर्मा**	: विजयदान देथा : राजस्थानी लोक संस्कृति पर आधारित फिल्में

समीक्षाएं

96	**साधना अग्रवाल**	: रघुवीर सहाय का स्मरण (जीवनी : विष्णु नागर)
99	**डॉ. रामविनय शर्मा**	: जातिगत क्रूरता और दलितों की यातना (उपन्यास : नवीन जोशी)
101	**सुषमा मुनीन्द्र**	: गांधारी की नियति (उपन्यास : डॉ. लोकेन्द्र सिंह कोट)
103	**मीना गुप्ता**	: कलाकार बनाम कला का संघर्ष (उपन्यास : कपिल ईसापुरी)
104	**प्रताप दीक्षित**	: अकेलेपन को एकांत में बदलने का सृजन (उपन्यास : मीना गुप्ता)
106	**डॉ. कुमारी उर्वशी**	: आदिवासी स्त्री संघर्ष कथा : 'मिनाम' (उपन्यास : मोर्जुम लोयीजी)
2	**सम्पादकीय**	: किसान आन्दोलन-लोकतंत्र का स्वर्णिम अध्याय
	आवरण	: **बंशीलाल परमार**
	रेखाचित्र	: **राजेन्द्र परदेसी**

संपादक

शैलेन्द्र सागर

संपादन सहयोग

रजनी गुप्त

सहयोग

मीनू अवस्थी

प्रबन्ध सहायक

राम मूरत यादव

संपादन संचालन : अवैतनिक

संपादकीय सम्पर्क :

डी-107, महानगर विस्तार, लखनऊ-226006

दूरभाष : 09415243310

e-mail : kathakrama@gmail.com

e-mail : kathakrama@rediffmail.com

इस अंक का मूल्य : 40 ₹

सदस्यता शुल्क : व्यक्तिगत त्रैवार्षिक-450 ₹, आजीवन 3000 ₹

संस्थाएं : वार्षिक-200 ₹, त्रैवार्षिक-550 ₹, आजीवन 3500 ₹

*(सारे भुगतान **मनीआर्डर/बैंक ड्राफ्ट** द्वारा कथाक्रम के नाम से किये जायें)*

पत्रिका में प्रकाशित रचनाओं में व्यक्त विचारों से संपादक की सहमति आवश्यक नहीं है।

मुद्रक : प्रकाश पैकेजर्स, 257- गोलागंज, लखनऊ। फोन : 0522-2200425